संस्कृत विभाग

DEPARTMENT OF SANSKRIT

कला, संचार एवं भाषा संकाय

SCHOOL OF ARTS, COMMUNICATION AND LANGUAGES

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप

According to NEP 2020

चतुर्वर्षीय स्नातक कक्षा के प्रथम एवं द्वितीय वर्ष का पाठ्यक्रम

1st YEAR & 2nd YEAR'S SYLLABUS OF

FOUR-YEAR UNDER GRADUATION PROGRAMME

2025-2026 से प्रवृत्त

W.E.F. SESSION 2025-2026

हेमवती नन्दन बहुगुणा गढवाल विश्वविद्यालय

(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

श्रीनगर गढवाल, उत्तराखण्ड

HEMVATI NANDAN BAHUGUNA GARHWAL UNIVERSITY

(A CENTRAL UNIVERSITY)

SRINAGAR GARHWAL, UTTARAKHAND

COURSE STRUCTURE FOR FIRST YEAR UG (FYUP)
UNDER NEP-2020
HNBGU

Program Learning Outcomes for B.A. Program

यू0जी0सी0 की राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एन-ई-पी) 2020 और यू0जी0सी0 (स्नातक डिग्री और स्नातकोत्तर डिग्री के अनुदान के निर्देश को न्यूनतम मानक) विनियम, 2025 के अनुसार **बैचलर ऑफ आर्ट्स (स्नातक) कार्यक्रम** का उद्देश्य बौद्धिक विकास, आलोचनात्मक सोच और सामाजिक योगदान को बढ़ावा देने वाली बहु-विषयक, बहु-आयामी और समग्र शिक्षा प्रदान करना है।

बी.ए. कार्यक्रम को सफलतापूर्वक उत्तीर्ण करने के बाद, विद्यार्थी निम्नलिखित में सक्षम होंगे-

1. व्यापक ज्ञान का प्रदर्शनः - छात्र सम्बन्धित विषय में मूल अवधारणाओं, सिद्धान्तों और पद्धतियों की गहन समझ प्राप्त करेंगे, साथ ही अन्तःविषयक परिप्रेक्ष्यों को एकीकृत करेंगे।

2. आलोचनात्मक सोच और समस्या-समाधान क्षमताएँ :- छात्र जटिल सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक और राजनीतिक मुद्दों का मूल्याँकन करने तथा नवीन, नैतिक और व्यावहारिक समाधान प्रस्तावित करने के लिए विश्लेषणात्मक आलोचनात्मक विचार-कौशल का अनुप्रयोग करेंगे।

3. संचार एवं पारस्परिक कौशलः- छात्र विविध व्यावसायिक और सामाजिक सन्दर्भों में विचारों, शोध निष्कर्षों और तर्कों को स्पष्ट और प्रभावी रूप से व्यक्त करने के लिए लिखित, मौखिक और दृश्य-संचार में दक्षता प्राप्त कर सकेगें।

4. शोध और विश्लेषणात्मक क्षमताएँ :- छात्र सैद्धान्तिक और अवधारणात्मक ढाँचों द्वारा निर्देशित, वास्तविक जीवन की समस्याओं का समाधान करने के लिए उपर्युक्त गुणात्मक और मात्रात्मक विधियों का उपयोग करके शोध जिज्ञासाओं की रूपरेखा का निर्माण कर उसका क्रियान्वयन कर सकेंगें।

5. नैतिक एवं सामाजिक जिम्मेदारीः- छात्र नैतिक प्रथा, सामाजिक न्याय एवं निरन्तर विकास के प्रति सम्मान प्रदर्शित करेंगे तथा सामाजिक उन्नति में अपना योगदान देंगे तथा राष्ट्रीय व वैश्विक चुनौतियों का समाधान कर सकेंगें।

6. आन्तरिक दृष्टिकोण एवं क्षमताः- छात्र सामाजिक मुद्दों पर व्यापक परिप्रेक्ष्य प्राप्त करने एवं बहु-विषयक समस्या-समाधान को बढ़ावा देने के लिए सम्बन्धित क्षेत्रों से ज्ञान का एकीकरण करेंगे।

7. रोजगार क्षमता और आजीवन सीखनाः- छात्र सरकारी, गैर-लाभकारी, शैक्षणिक या निजी क्षेत्रों में विविध आजीविका**पार्जन** को बढ़ाने देने के लिए सामूहिक कार्य, नेतृत्व क्षमता सहित व्यावसायिक कौशल विकसित कर सकेंगें तथा इस निरन्तर गतिशील विश्व में प्रासंगिक बने रहने के लिए आजीवन सीखने में संलग्न रहेंगे।

8. वैश्विक एवं सांस्कृतिक जागरूकता :- छात्र वैश्विक एवं सांस्कृतिक विविधता को समझ सकेंगें तथा उसकी प्रशंसा करेंगे, इस ज्ञान को स्थानीय, राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय सन्दर्भों में रचनात्मक रूप से संलग्न करने के लिए प्रयत्नशील रहेंगे।

DEPARTMENT OF SANSKRIT (HNBGU)
COURSE STRUCTURE FOR FIRST YEAR UG (FYUP)
UNDER NEP-2020

First Year (NHEQF Level-4.5)

Course Category	Semester-I				Semester-II		
	Subject/Title	No. of Paper	Credits		Subject/Title	No. of Paper	Credits
Discipline Specific Core (DSC)	नीतिकाव्य, व्याकरण एवम् अनुवाद	1	4		नाटक, छन्द एवम् अलंकार	1	4
	DSC-I (Subject-II)	1	4		DSC-II (Subject-II)	1	4
MD/ ID	संस्कृत साहित्य में राष्ट्रीय चेतना	1	4		संस्कृत साहित्य में नैतिकता	1	4
SEC	SEC-MD–Mental Health & Wellbeing Or SEC-MD–Basics of Social Work	1	3		SEC-MD–Disaster Management	1	3
SEC/AEC	SEC-AMSC	1	3		AEC–Communication Skill (English, Hindi & Sanskrit)	1	3
VAC	Life Skills & Personality Development	1	2		Understanding and Connecting with Environment	1	2
Total		6	20			6	20

SYLLABUS OF FYUP
(DEPARTMENT OF SANSKRIT)
1st Semester (प्रथम सत्र)-

DSC-I (Major & Minor) :

नीतिकाव्य, व्याकरण एवम् अनुवाद **CREDITS – 04**

COURSE OUTCOMES:

CO1:	छात्र नीतिशतक एवं हितोपदेश के श्लोकों तथा संज्ञा और सन्धि प्रकरण के मूल नियमों को स्मरण करेंगे।
CO2:	छात्र जीवनोपयोगी नैतिक-सिद्धान्तों एवं संस्कृत भाषा में सन्धियों के प्रयोग को समझेंगे।
CO3:	संज्ञाओं के सम्यक् ज्ञान से संस्कृत से हिन्दी एवं हिन्दी से संस्कृत में अनुवाद करने में गति बनेगी।
CO4:	नीतिशतक एवं हितोपदेश के नीतिश्लोकों के माध्यम से छात्र जीवन में आने वाली विभिन्न परिस्थितियों का सम्यक् विश्लेषण कर सकेंगे।
CO5:	छात्र नीतिकाव्यों में निहित नैतिक मूल्यों को अपने जीवन में आत्मसात् करेंगे तथा संस्कृत व्याकरण के सम्यक् ज्ञान द्वारा संस्कृत शास्त्रों के सही अर्थ को जान पाएंगे।

इकाई-1 : **नीतिशतक** (1-50 श्लोक)

इकाई-2 : **हितोपदेश** (मित्रलाभ)

इकाई-3 : **व्याकरण** (संज्ञा-प्रकरण लघुसिद्धान्तकौमुदी के अनुसार)

इकाई-4 : **हिन्दी से संस्कृत में अनुवाद**

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भ-ग्रन्थ-

1. नीतिशतकम्, व्याख्याकार एवं सम्पादक- डॉ. बाबूराम त्रिपाठी, महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा
2. नीतिशतकम्, अनुवादक और संस्कर्ता- जनार्दन शास्त्री पाण्डेय, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
3. नीतिशतकम्, डॉ. राकेश शास्त्री, परिमल पब्लिकेशन्स, दिल्ली
4. हितोपदेश-मित्रलाभ: (अश्लीलांशवर्जितः) व्याख्याकार- आचार्य श्रीशेषराज शर्मा 'रेग्मी', चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
5. हितोपदेशः भाषान्तरकार- पं रामेश्वर भट्ट, सम्पादक- श्री नारायण राम आचार्य 'काव्यतीर्थ', चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, दिल्ली
6. लघुसिद्धान्तकौमुदी, भाग-1, व्याख्याकार- भीमसेन शास्त्री, भैमी प्रकाशन, दिल्ली
7. लघुसिद्धान्तकौमुदी, व्याख्याकार- पं. ईश्वरन्द्र, संस्कृत ग्रन्थागार, दिल्ली

MD-I:

संस्कृत साहित्य में राष्ट्रीय चेतना **CREDITS – 04**

COURSE OUTCOMES:

CO1:	छात्र संस्कृत-साहित्य में विद्यमान राष्ट्रीय चेतना विषयक सन्दर्भों का अध्ययन करेंगे।
CO2:	छात्र संस्कृत-साहित्य में विद्यमान राष्ट्रीय चेतना विषयक सन्दर्भों के अनुप्रयोग को समझेंगे।
CO3:	राष्ट्रीय चेतना की भारतीय अवधारणाओं को अपने जीवन में उतार सकेंगे।
CO4:	राष्ट्रीय चेतना की आधुनिक एवं प्राचीन भारतीय अवधारणाओं का सम्यक् विश्लेषण कर सकेंगे।
CO5:	छात्र राष्ट्र-प्रेम के वास्तविक अर्थ का उचित मूल्यांकन करते हुए उसे आत्मसात् करेंगे।

इकाई-1 : वैदिक साहित्य में राष्ट्रीय चेतना

(ऋग्वेद 3.53.12, 3.53.24; अथर्ववेद.1.29.1-4; 12.1.1-12, 19.41.1; शुक्लयजुर्वेद 22.22)

इकाई-2 : पुराण एवं महाकाव्यों में राष्ट्रीय चेतना

(विष्णु पुराण 2.3; वाल्मीकि रामायण, किष्किन्धा काण्ड, अध्याय 46-48; महाभारत शान्तिपर्व 56.5, 65.13-22)

इकाई-3 : नीतिग्रन्थों में राष्ट्रीय चेतना

सप्ताङ्ग सिद्धान्त (कौटिल्य अर्थशास्त्र 6.1, शुक्रनीति 1.61-62)

इकाई-4 : आधुनिक संस्कृत साहित्य में राष्ट्रीय चेतना

मातृभूमिस्तव:- डॉ. कपिलदेव द्विवेदी

भाति में भारतम् (1-10 श्लोक) डॉ. रमाकांत शुक्ल

देशोऽयं कुरुते प्रोन्नतिम् – डॉ. हरिनारायण दीक्षित

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भ-ग्रन्थ-

1. ऋग्वेद, यजुर्वेद एवं अथर्ववेद भाष्य, श्रीपाद दामोदर सातवलेकर, स्वाध्याय मण्डल, पारड़ी, महाराष्ट्र
2. कौटिल्य अर्थशास्त्रम्, हिन्दी अनुवादक- उदयवीर शास्त्री, मेहरचन्द लक्षमनदास, दिल्ली
3. महाभारत (1-6 भाग), हिन्दी अनुवादक- रामनारायण दत्त शास्त्री पाण्डेय, गीताप्रेस, गोरखपुर
4. शुक्रनीति, व्याख्याकार पण्डित ब्रह्मशंकर मिश्र, चौखम्बा संस्कृत सीरीज, वाराणसी
5. श्रीमद्वाल्मीकीयरामायणम् (1-2 भाग), हिन्दी अनुवाद सहित, सम्पादक-जानकी नाथ शर्मा, गीताप्रेस, गोरखपुर
6. पुराण विमर्श, आचार्य बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा विद्याभवन,वाराणसी
7. संस्कृत साहित्य में राष्ट्रवाद एवं भारतीय राजशास्त्र, शशि तिवारी, विद्यानिधि प्रकाशन, दिल्ली
8. संस्कृत साहित्य में राष्ट्रीय भावना, हरिनारायण दीक्षित, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली
9. संस्कृत वाङ्मय में राष्ट्रीय चेतना, डॉ. विजय कुमार कर्ण, हिन्दुस्तान एकेडमी, प्रयागराज
10. राष्ट्रगीतांजलि, डॉ कपिलदेव द्विवेदी, विश्वभारती अनुसन्धान परिषद्, वाराणसी
11. भाति में भारतम्, डॉ. रमाकान्त शुक्ल, देववाणी परिषद्, दिल्ली

SYLLABUS OF FYUP
(DEPARTMENT OF SANSKRIT)
2nd Semester (द्वितीय सत्र)-

DSC-II Major & Minor :
नाटक, छन्द एवम् अलंकार **CREDITS - 04**

COURSE OUTCOMES:

CO1:	छात्र अभिज्ञानशाकुन्तलम् नाटक का अध्ययन करेंगे।
CO2:	छात्र अभिज्ञानशाकुन्तलम् में प्रयुक्त नाट्यशास्त्रीय तत्त्वों के अनुप्रयोग एवम् उनकी परिभाषाओं को समझेंगे।
CO3:	अभिज्ञानशाकुन्तलम् नाटक में प्रयुक्त अलंकार एवं छन्दयोजना को लक्षणोदाहरण सहित जानेंगे।
CO4:	अभिज्ञानशाकुन्तलम् नाटक के ऐतिहासिक, सामाजिक, राजनैतिक आयामों का सम्यक् विश्लेषण कर सकेंगे।
CO5:	संस्कृत काव्य-परम्परा में महाकवि कालिदास के योगदान का उचित मूल्यांकन कर सकेंगे।

इकाई-1 : **नाटक-**
(अभिज्ञानशाकुन्तलम् चतुर्थ अंक पर्यन्त)

इकाई-2 : **नाटकीय पारिभाषिक शब्दावली-**
(नान्दी, प्रस्तावना, सूत्रधार, विदूषक, नेपथ्य, स्वगत, जनान्तिक, आकाशभाषित, भरतवाक्य)

इकाई-3 : **अलंकार-** (उदाहरण अभिज्ञानशाकुन्तलम् से)
(अनुप्रास, श्लेष, यमक, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, अपह्नुति, विभावना, विशेषोक्ति, निदर्शना)

इकाई-4 : **छन्द-** (उदाहरण अभिज्ञानशाकुन्तलम् से)
(अनुष्टुप्, आर्या, इन्द्रवजा, उपेन्द्रवजा, वंशस्थ, बसन्ततिलका, शिखरिणी, शार्दूलविक्रीडित)

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भ-ग्रन्थ-

1. अभिज्ञानशाकुन्तलम्, व्याख्याकार एवं सम्पादक- डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, रामनारायणलाल विजयकुमार, इलाहाबाद
2. अभिज्ञानशाकुन्तलम्, सम्पादक- निरुपण विद्यालंकार, साहित्य भण्डार, मेरठ
3. काव्यप्रकाश (हिन्दी अनुवाद सहित) व्याख्याकार और सम्पादक- डॉ. श्रीनिवास शास्त्री, साहित्य भण्डार, मेरठ
4. वृत्तरत्नाकर, पं० केदारभट्ट, व्याख्या- पं. बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
5. दशरूपक, व्याख्याकार- डॉ. भोलाशंकर व्यास, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी

MD-II:

संस्कृत साहित्य में नैतिकता **CREDITS - 04**

COURSE OUTCOMES:

CO1:	छात्र ईशावास्योपनिषद्, श्रीमद्भगवद्गीता, हितोपदेश और नीतिशतक में वर्णित नैतिक मूल्यों का ज्ञान प्राप्त करेंगे।
CO2:	निम्नलिखित ग्रन्थों के सन्दर्भों के आधार पर मानवीय व्यवहार को समझने का प्रयास करेंगे।
CO3:	ईशावास्योपनिषद् से त्यागपूर्वक उपभोग के आदर्श, हितोपदेश से मानव मूल्य, नीतिशतकम् से आत्मसम्मान एवं श्रीमद्भगवद्गीता से स्वधर्म और स्थितप्रज्ञता को जीवन में आत्मसात् करने का प्रयास करेंगे।
CO4:	निम्नलिखित ग्रन्थों के आधार पर विभिन्न प्रसंगों का विश्लेषण कर सकेंगे।
CO5:	निम्नलिखित ग्रन्थों में वर्णित विभिन्न नैतिक मूल्यों का समसामयिक दृष्टि से मूल्यांकन कर सकेंगे।

इकाई-1: **ईशावास्योपनिषद्** (1-18)

इकाई-2: **हितोपदेश** (कथामुख)

इकाई-3: **नीतिशतकम्** –

I. विद्वत - प्रशंसा (10-21)
II. सत्संगति (23-32)
III. परोपकार (70-80)

इकाई-4 : **श्रीमद्भगवद्गीता-**

I. आत्मप्रबन्धन (6/5,6)
II. निष्काम कर्म (2/47,3/19)
III. स्थितप्रज्ञ (2/54-56,71)

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भ-ग्रन्थ-

1. श्रीमद्भगवद्गीता (परिच्छेद,अन्वय साधारण भाषाटीका सहित) व्याख्याकार- जयदयाल गोयन्दका, गीताप्रेस, गोरखपुर
2. श्रीमद्भगवद्गीता (सामर्पण–भाष्य), भाष्यकार- स्वामी समर्पणानन्द सरस्वती, राधेलाल सरार्फ एण्ड सन्स चैरिटेबल ट्रस्ट, मेरठ
3. ईशोपनिषद्, व्याख्याकार- महात्मा नारायण स्वामी, सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, दिल्ली
4. ईशावास्योपनिषद् (सानुवाद शांकरभाष्यसहित) गीताप्रेस, गोरखपुर
5. नीतिशतकम्, व्याख्याकार एवं सम्पादक- डॉ. बाबूराम त्रिपाठी, महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा
6. नीतिशतकम्, अनुवादक और संस्कर्ता- जनार्दन शास्त्री पाण्डेय, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
7. नीतिशतकम्, डॉ. राकेश शास्त्री, परिमल पब्लिकेशन्स , दिल्ली
8. हितोपदेश-मित्रलाभ: (अश्लीलांशवर्जितः) व्याख्याकार- आचार्य श्रीशेषराजशर्मा 'रेग्मी', चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
9. हितोपदेश:, भाषान्तरकार-पं रामेश्वर भट्ट, सम्पादक- श्री नारायण राम आचार्य 'काव्यतीर्थ', चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, दिल्ली

AEC (Communication Skills):

संस्कृत सम्भाषण दक्षता **CREDITS 03**

COURSE OUTCOMES:

CO1:	छात्र संस्कृत-भाषा के सम्भाषण के लिए उपयुक्त शब्दरूप, धातुरूप आदि को स्मरण करेंगे।
CO2:	छात्र संस्कृत भाषा की वाक्य-संरचना से परिचित होंगे तथा उसके व्यावहारिक प्रयोग को समझेंगे।
CO3:	शब्दरूप, धातुरूप आदि के सम्यक् ज्ञान से संवाद एवं लेखन में गति बनेगी।
CO4:	छात्र संस्कृत-भाषा की शुद्धता एवं अशुद्धता का विश्लेषण कर उचित प्रयोग को जानेंगे।
CO5:	छात्र संस्कृत सम्भाषण में दक्षता प्राप्त कर संस्कृत सम्भाषण में कुशलता प्राप्त कर सकेंगे।

इकाई-1 : संवाद कौशल-

(संस्कृत में दैनिक व्यवहार)

इकाई-2 : लेखन कौशल

(संस्कृत में पत्र लेखन-पिता के लिए, पुस्तक विक्रेता के लिए, आमन्त्रण-पत्र)

इकाई-3 : शब्दरूप, धातुरूप एवं संख्या

शब्दरूप- राम, हरि, गुरु, पितृ, रमा, नदी, मातृ, फल, तत्, किम्

धातुरूप- अस्, भू, गम् पठ, दृश्

1 से 100 तक संस्कृत संख्या

इकाई-4 : संस्कृत व्यावहारिक शब्दावली

(वस्तु, शरीर के अंग, पशु-पक्षियों के नाम)

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भ-ग्रन्थ-

1. प्रौढ़रचनानुवादकौमुदी, डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
2. रचनानुवादकौमुदी, डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
3. बृहदनुवाचन्द्रिका, चक्रधर नौटियाल 'हंस' शास्त्री, मोती लाल बनारसीदास, दिल्ली
4. लघुसिद्धान्तकौमुदी, भाग-1, व्याख्याकार- भीमसेनशास्त्री, भैमी प्रकाशन, दिल्ली
5. पत्राचार द्वारा संस्कृतम् (प्रवेश) संस्कृत भारती, हरिद्वार
6. संस्कृत-व्यवहार-साहस्री, संस्कृत भारती, माता मन्दिर गली, झण्डेवालान, नई दिल्ली
7. व्यावहारिक संस्कृत प्रशिक्षक, डॉ० विजय कुमार कर्ण, उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ

COURSE STRUCTURE FOR SECOND YEAR UG (FYUP) UNDER NEP-2020 HNBGU

Second Year (NHEQF Level-5)

Course Category	Semester-III				Semester-IV		
	Subject/Title	No. of Paper	Credits		Subject/Title	No. of Paper	Credits
Major-I (One Subject) Major	गद्य, पद्य एवं व्याकरण	1	5		संस्कृत साहित्य का इतिहास, संस्कृति एवं अनुवाद	1	5
Minor-I (One Subject)	गद्य एवं पद्य	1	4		संस्कृत साहित्य का इतिहास तथा संस्कृति	1	4
Major DSEC	भारतीय रंगमंच	1	3		पातञ्जल योगसूत्र	1	3
MD/ID	संस्कृत साहित्य मे राजनीतिक विचार (कौटिल्य अर्थशास्त्र के सन्दर्भ में)	1	4		संस्कृत भाषाविज्ञान के मूलतत्व	1	4
AEC (Language Based Courses)	Indian, Modern, Regional Language-I (संस्कृत भाषा अध्ययन)	1	2		Indian, Modern, Regional Language-II (संस्कृत भाषा अध्ययन)	1	2
VAC/ AEC	IKS	1	2		Culture, Tradition and Moral Values	1	2
Total		**6**	**20**			**6**	**20**

Detailed syllabus of the third and fourth year will be updated soon

DEPARTMENT OF SANSKRIT (HNBGU)
COURSE STRUCTURE FOR SECOND YEAR UG (FYUP)
UNDER NEP-2020

SYLLABUS OF FYUP
(DEPARTMENT OF SANSKRIT)
3rd Semester (तृतीय सत्र)-

DSC- III Major- :
गद्य, पद्य एवं व्याकरण **CREDITS – 05**

COURSE OUTCOMES:

CO1:	छात्र संस्कृत साहित्य में गद्य एवं पद्य काव्य तथा वर्णोच्चारण के मूल नियमों को स्मरण करेंगे।
CO2:	छात्र जीवनोपयोगी नैतिक-सिद्धान्तों एवं संस्कृत भाषा में वर्णोच्चारण की प्रक्रिया को समझेंगे।
CO3:	वर्णोच्चारण के नियमों को जानने से उच्चारण में शुद्धता आएगी।
CO4:	शिवराजविजय एवं कुमारसम्भव के अध्ययन से छात्र तत्कालीन समाज की परिस्थितियों का सम्यक् विश्लेषण कर सकेंगे।
CO5:	छात्र शिवराजविजय एवं कुमारसम्भव के निहितार्थ को अपने जीवन में आत्मसात् करेंगे तथा वर्णों की उच्चारण पद्धति के ज्ञान द्वारा संस्कृत शास्त्रों के शुद्ध उच्चारण कर पाएंगे।

इकाई-1 : संस्कृत साहित्य में गद्य एवं पद्य काव्य का परिचय
इकाई-2 : गद्य- शिवराजविजयम् (प्रथम निःश्वास)
इकाई-3 : पद्य- कुमारसम्भवम् (पञ्चम सर्ग)
इकाई-4 : व्याकरण- पाणिनीय-शिक्षा

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भ-ग्रन्थ-

1. संस्कृत साहित्य का इतिहास, आचार्य बलदेव उपाध्याय, शारदा निकेतन, वाराणसी
2. संस्कृत साहित्य का इतिहास, उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', चौखम्बा भारती अकादमी, वाराणसी
3. शिवराजविजयः (प्रथम निःश्वासः), व्याख्याकार- डॉ. देवनारायण मिश्र, साहित्य भण्डार, सुभाष बाजार, मेरठ
4. शिवराजविजयः (प्रथम निःश्वासः), व्याख्याकार- प्रो. जय सिंह, विजय प्रकाशन मन्दिर, वाराणसी
5. शिवराजविजयः (प्रथम निःश्वासः), व्याख्याकार- श्रीनिवास शर्मा, भारतीय विद्या प्रकाशन, वाराणसी
6. कुमारसम्भवम् (पञ्चमसर्गात्मकम्) व्याख्याकार- डॉ. श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
7. कुमारसम्भवमहाकाव्यम् (पञ्चमः सर्गः) सम्पादक- डॉ बाबूराम त्रिपाठी, महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा
8. पाणिनीय-शिक्षा, सम्पादक- विद्यासागर डॉ. दामोदर महतो, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
9. वर्णोच्चारणशिक्षा (श्रीमद्दयानन्दसरस्वतीस्वामिकृत-व्याख्या-सहिता), रामलाल कपूर ट्रस्ट, सोनीपत,

DSC -III (Minor) :

गद्य एवं पद्य **CREDITS – 04**

COURSE OUTCOMES:

CO1:	छात्र संस्कृत साहित्य में गद्य एवं पद्य काव्य के नियमों को स्मरण करेंगे।
CO2:	छात्र शिवराजविजय एवं कुमारसम्भव में वर्णित सिद्धान्तों को समझेंगे।
CO3:	छात्र गद्य एवं पद्य काव्य की संरचना को जानेंगे।
CO4:	शिवराजविजय एवं कुमारसम्भव के अध्ययन से छात्र तत्कालीन समाज की परिस्थितियों का सम्यक् विश्लेषण कर सकेंगे।
CO5:	छात्र शिवराजविजय एवं कुमारसम्भव के निहितार्थ को अपने जीवन में आत्मसात् कर पाएंगे।

इकाई-1 : संस्कृत साहित्य में गद्य एवं पद्य काव्य का परिचय

इकाई-2 : गद्य- शिवराजविजयम् (प्रथम निःश्वास)

इकाई-3 : पद्य- कुमारसम्भवम् (पञ्चम सर्ग)

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भ-ग्रन्थ-

1. संस्कृत साहित्य का इतिहास, आचार्य बलदेव उपाध्याय, शारदा निकेतन, वाराणसी
2. संस्कृत साहित्य का इतिहास, उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', चौखम्बा भारती अकादमी, वाराणसी
3. शिवराजविजयः (प्रथम निःश्वासः), व्याख्याकार- डॉ. देवनारायण मिश्र, साहित्य भण्डार, सुभाष बाजार, मेरठ
4. शिवराजविजयः (प्रथम निःश्वासः), व्याख्याकार- प्रो. जय सिंह, विजय प्रकाशन मन्दिर, वाराणसी
5. शिवराजविजयः (प्रथम निःश्वासः), व्याख्याकार- श्रीनिवास शर्मा, भारतीय विद्या प्रकाशन, वाराणसी
6. कुमारसम्भवम् (पञ्चमसर्गात्मकम्) व्याख्याकार- डॉ. श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
7. कुमारसम्भवमहाकाव्यम् (पञ्चमः सर्गः) सम्पादक- डॉ बाबूराम त्रिपाठी, महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा

SEC (Skill Enhancement Course):

भारतीय रंगमंच **CREDITS - 03**

COURSE OUTCOMES:

CO1:	छात्र नाट्य-शास्त्र में विद्यमान रंगमंच विषयक सन्दर्भों का अध्ययन करेंगे।
CO2:	छात्र प्राचीनकाल में रंगमंच के प्रयोग को समझेंगे।
CO3:	नाट्य-शास्त्र के अभिनय से सम्बन्धित दिशा-निर्देशों का पालन कर सकेंगे।
CO4:	नाट्य शास्त्र के ज्ञान द्वारा छात्र प्राचीन तथा आधुनिक रंगमंच का विश्लेषण कर सकेंगे।
CO5:	छात्र नाट्यशास्त्र में निहित अभिनय एवं रंगमंच के प्रयोग में कुशलता प्राप्त करेंगे।

इकाई-1 : **भारतीय रंगमंच की परम्परा, उद्भव एवं विकास का इतिहास**

इकाई-2 : **रंगमंच के प्रकार**

इकाई-3 : **चतुर्विध अभिनय** (आङ्गिक, वाचिक, आहार्य, सात्विक)

इकाई-4 : **नाट्य के निर्धारक मुख्य-तत्त्व** (वस्तु, नेता, रस)

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भ-ग्रन्थ-

1. नाट्यशास्त्र (1-4भाग), सम्पादक- बाबूराम शुक्ल शास्त्री, चौखम्बा संस्थान, वाराणसी
2. नाट्यशास्त्र, सम्पादक- ब्रजमोहन चतुर्वेदी, विद्यानिधि प्रकाशन, दिल्ली
3. संक्षिप्त नाट्यशास्त्र हिन्दी भाषानुवाद सहित, राधावल्लभ त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
4. नाट्यशास्त्र की भारतीय परम्परा एवं दशरूपक, हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
5. संस्कृतनाट्यमीमांसा, केशवराम मुसलगांवकर, परिमल प्रकाशन दिल्ली

MD- III:

संस्कृत साहित्य में राजनीतिक विचार (कौटिल्य अर्थशास्त्र के सन्दर्भ में) **CREDITS – 04**

COURSE OUTCOMES:

CO1:	छात्र संस्कृत-साहित्य में विद्यमान राजनीतिक विचारों का अध्ययन करेंगे।
CO2:	छात्र संस्कृत-साहित्य में विद्यमान राजनीतिक विचारों के अनुप्रयोग को समझेंगे।
CO3:	राजनीतिक विचारों की भारतीय अवधारणाओं को अपने जीवन में उतार सकेंगे।
CO4:	राजनीतिक विचारों की आधुनिक एवं प्राचीन भारतीय अवधारणाओं का सम्यक् विश्लेषण कर सकेंगे।
CO5:	छात्र राजनीति के वास्तविक अर्थ का उचित मूल्यांकन करते हुए उसे वर्तमान सन्दर्भों मे व्याख्यायित कर सकेंगे।

इकाई-1 : प्राचीन भारतीय राजनीतिक चिन्तन : उद्भव एवं विकास
इकाई-2 : कौटिल्य के अनुसार राज्य की उत्पत्ति एवं कल्याणकारी राज्य की संकल्पना
इकाई-3 : सप्ताङ्ग एवं षाड्गुण्य सिद्धान्त
इकाई-4 : स्थानीय प्रशासन, परराष्ट्र नीति एवं सामाजिक संगठन

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भ-ग्रन्थ-

1. कौटिल्य अर्थशास्त्रम्, हिन्दी अनुवादक- उदयवीर शास्त्री, मेहरचन्द लक्षमनदास, दिल्ली
2. संस्कृत साहित्य में राष्ट्रवाद एवं भारतीय राजशास्त्र, शशि तिवारी, विद्यानिधि प्रकाशन, दिल्ली
3. संस्कृत में राजनीतिक चिन्तन, डॉ. पङ्कजा घई कौशिक, विद्यानिधि प्रकाशन, दिल्ली
4. हिन्दू राज्यशास्त्र, अम्बिकाप्रसाद वाजपेयी, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग
5. प्राचीन भारतीय शासन व्यवस्था एवं राजशास्त्र, सत्यकेतु विद्यालंकार, सरस्वती सदन, मसूरी

AEC (Language Based Course)

Indian Modern Regional Language-I

संस्कृत भाषा अध्ययन **CREDITS 02**

COURSE OUTCOMES:

CO1:	छात्र माहेश्वरसूत्रों को स्मरण करेंगे तथा संस्कृत की सन्धि-प्रक्रिया का ज्ञान प्राप्त करेंगे।
CO2:	कारक के अध्ययन से संस्कृत भाषा की वाक्य-संरचना से परिचित होंगे तथा उसके व्यावहारिक प्रयोग को समझेंगे।
CO3:	सन्धि, कारक आदि के सम्यक् ज्ञान से संवाद एवं लेखन में गति बनेगी।
CO4:	छात्र संस्कृत-भाषा की शुद्धता एवं अशुद्धता का विश्लेषण कर उचित प्रयोग को जानेंगे।
CO5:	छात्र संस्कृत लेखन में दक्षता प्राप्त कर संस्कृत में निबन्ध आदि लिखने में कुशलता प्राप्त कर सकेंगे।

इकाई-1 : **माहेश्वरसूत्र, वर्णों के उच्चारणस्थान, सन्धि** (दीर्घ, गुण, यण्, वृद्धि,अयादि, अनुस्वार, विसर्ग,
श्चुत्व, ष्टुत्व, जश्त्व का सामान्य अध्ययन व प्रयोग)

इकाई-2 : **कारक के सामान्य नियम**

इकाई-3 : **संस्कृत में दैनिक-व्यवहार के वाक्य एवं शब्दावली** (शरीरवर्ग, परिवारवर्ग एवं भोज्यपदार्थवर्ग)

इकाई-4 : **निबन्ध** (रचनानुवादकौमुदी से)

I. संस्कृतभाषायाः महत्त्वम्
II. आचार्यदेवो भव
III. पर्यावरणसंरक्षणम्
IV. परोपकाराय सतां विभूतयः
V. आचारः परमो धर्मः

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भ-ग्रन्थ-

1. लघुसिद्धान्तकौमुदी, भाग-1, व्याख्याकार- भीमसेनशास्त्री, भैमी प्रकाशन, दिल्ली
2. लघुसिद्धान्तकौमुदी, व्याख्याकार- पं. ईश्वरचन्द्र, संस्कृत ग्रन्थागार, दिल्ली
3. प्रारम्भिकरचनानुवादकौमुदी, डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
4. रचनानुवादकौमुदी, डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
5. संस्कृत-व्यवहार-साहस्री, संस्कृत भारती, मातामन्दिर गली, झण्डेवालान, नई दिल्ली
6. व्यावहारिक संस्कृत प्रशिक्षक, डॉ० विजय कुमार कर्ण, उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ
7. संस्कृत-रचना, डॉ. उमेशचन्द्र पाण्डेय, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी

SYLLABUS OF FYUP
(DEPARTMENT OF SANSKRIT)
4th Semester (चतुर्थ सत्र)-

DSC -IV(Major):

संस्कृत साहित्य का इतिहास, संस्कृति तथा निबन्ध **CREDITS - 05**

COURSE OUTCOMES:

CO1:	छात्र संस्कृत कवियों तथा भारतीय संस्कृति के विषय में अध्ययन करेंगे।
CO2:	छात्र प्राचीन तथा आधुनिक कवियों की शैली को समझेंगे।
CO3:	छात्र संस्कृत में निबन्ध लिखने की कला तथा भारतीय संस्कृति के महत्त्व को जानेंगे।
CO4:	छात्र प्राचीन तथा आधुनिक कवियों की शैली तथा भारतीय संस्कृति के विविध आयामों का सम्यक् विश्लेषण कर सकेंगे।
CO5:	संस्कृत काव्य-परम्परा में प्राचीन तथा आधुनिक कवियों के योगदान का उचित मूल्यांकन कर सकेंगे साथ ही संस्कृत में निबन्ध लिखने की कला तथा भारतीय संस्कृति के ज्ञान का प्रयोग कर अपने जीवन को उत्कृष्ट बना सकेंगे।

इकाई-1 : **प्राचीन संस्कृत-कवि-** वाल्मीकि, व्यास, भास, कालिदास, भवभूति, विशाखदत्त, बाण, सुबन्धु

इकाई-2 : **आधुनिक संस्कृत कवि**- आचार्य मेधाव्रत, कृष्ण कुमार अग्रवाल, कपिलदेव द्विवेदी, अभिराज राजेन्द्र मिश्र, अशोक कुमार डबराल

इकाई-3 : **भारतीय संस्कृति**

I. पञ्च महायज्ञ
II. आश्रम व्यवस्था
III. वर्ण व्यवस्था
IV. षोडश संस्कार
V. पुरुषार्थ

इकाई-4 : **निबन्ध** (संस्कृत में)

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भ-ग्रन्थ-

1. संस्कृत साहित्य का इतिहास, आचार्य बलदेव उपाध्याय, शारदा निकेतन, वाराणसी
2. संस्कृत साहित्य का इतिहास, उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', चौखम्बा भारती अकादमी, वाराणसी
3. संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास, डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, रामनारायण लाल विजय कुमार, इलाहाबाद
4. भारतीय संस्कृति, डॉ. प्रीति प्रभा गोयल, राजस्थानी ग्रन्थागार. जोधपुर
5. भारतीय संस्कृति, डॉ. राजकिशोर सिंह, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
6. संस्कृत-निबन्ध-शतकम्, डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
7. रचनानुवादकौमुदी, डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

DSC -IV(Minor) :

संस्कृत साहित्य का इतिहास तथा संस्कृति **CREDITS - 04**

COURSE OUTCOMES:

CO1:	छात्र संस्कृत कवियों तथा भारतीय संस्कृति के विषय में अध्ययन करेंगे।
CO2:	छात्र प्राचीन तथा आधुनिक कवियों की शैली को समझेंगे।
CO3:	छात्र संस्कृत की काव्य रचनाओं तथा भारतीय संस्कृति के महत्त्व को जानेंगे।
CO4:	छात्र प्राचीन तथा आधुनिक कवियों की शैली तथा भारतीय संस्कृति के विविध आयामों का सम्यक् विश्लेषण कर सकेंगे।
CO5:	संस्कृत काव्य-परम्परा में प्राचीन तथा आधुनिक कवियों के योगदान का उचित मूल्यांकन कर सकेंगे साथ ही भारतीय संस्कृति के ज्ञान का प्रयोग कर अपने जीवन को उत्कृष्ट बना सकेंगे।

इकाई-1 : **प्राचीन संस्कृत-कवि-** वाल्मीकि, व्यास, भास, कालिदास, भवभूति, विशाखदत्त, बाण, सुबन्धु

इकाई-2 : **आधुनिक संस्कृत कवि**- आचार्य मेधाव्रत, कृष्ण कुमार अग्रवाल, कपिलदेव द्विवेदी, अभिराज राजेन्द्र मिश्र, अशोक कुमार डबराल

इकाई-3 : **भारतीय संस्कृति**

I. पञ्च महायज्ञ
II. आश्रम व्यवस्था
III. वर्ण व्यवस्था
IV. षोडश संस्कार
V. पुरुषार्थ

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भ-ग्रन्थ-

1. संस्कृत साहित्य का इतिहास, आचार्य बलदेव उपाध्याय, शारदा निकेतन, वाराणसी
2. संस्कृत साहित्य का इतिहास, उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', चौखम्बा भारती अकादमी, वाराणसी
3. संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास, डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, रामनारायण लाल विजय कुमार, इलाहाबाद
4.
5. भारतीय संस्कृति, डॉ. राजकिशोर सिंह, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
6. भारतीय संस्कृति, डॉ. प्रीति प्रभा गोयल, राजस्थानी ग्रन्थागार. जोधपुर

SEC (Skill enhancement course):

पातञ्जल योगसूत्र **CREDITS 03**

COURSE OUTCOMES:

CO1:	छात्र योगशास्त्र की परम्परा तथा पातञ्जल योगसूत्र का ज्ञान प्राप्त करेंगे।
CO2:	छात्र योग की भारतीय अवधारणा से परिचित होंगे तथा उसके व्यावहारिक प्रयोग को समझेंगे।
CO3:	छात्र योग को अपने प्रतिदिन के जीवन का अंग बना सकेंगे।
CO4:	योग की प्राचीन एवं आधुनिक अवधारणाओं का सम्यक् विश्लेषण कर उचित प्रयोग को जानेंगे।
CO5:	छात्र योग के वास्तविक अर्थ को समझकर उसे आत्मसात कर सकेंगे।

इकाई-1 : **योगशास्त्र की परम्परा एवं पातञ्जल योगसूत्र**

इकाई-2 : **समाधिपाद** (1-15 सूत्र)

इकाई-3 : **समाधिपाद** (23-29 सूत्र) **तथा साधनपाद** (1-3 सूत्र)

इकाई-4 : **साधनपाद** (29-55 सूत्र) **तथा विभूतिपाद** (1-4 सूत्र)

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भ-ग्रन्थ-

1. पातञ्जल योगदर्शन, गीताप्रेस, गोरखपुर
2. योगप्रदीप, गीताप्रेस, गोरखपुर
3. पातञ्जलयोगदर्शनम् (व्यासभाष्यसंवलितम्), व्याख्याकार- सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
4. पातञ्जल-योगदर्शन-भाष्यम्, भाष्यकार- आचार्य राजवीर शास्त्री, आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट, दिल्ली
5. पातञ्जल-योगदर्शनम्, उदयवीर शास्त्री, विजयकुमार गोविन्दराम हासानन्द, नई दिल्ली

MD-IV:

संस्कृत भाषाविज्ञान के मूलतत्त्व **CREDITS - 04**

COURSE OUTCOMES:

CO1:	छात्र भाषा विज्ञान के सिद्धान्तों का ज्ञान प्राप्त करेंगे।
CO2:	भाषा परिवर्तन के कारणों को समझने का प्रयास करेंगे।
CO3:	भाषा की विभिन्न लिपियों का अध्ययन करते हुए देवनागरी लिपि के महत्त्व को जानेंगे।
CO4:	भाषा विज्ञान के आधार पर संस्कृत भाषा की विशेषताओं का विश्लेषण कर सकेंगे।
CO5:	संस्कृत भाषा तथा देवनागरी लिपि का उचित मूल्यांकन कर सकेंगे।

इकाई-1 : भाषा का अर्थ, विविधरूप, उत्पत्ति एवं विकास, भाषा परिवर्तन के कारण, भाषा की सामान्य विशेषताएँ

इकाई-2 : भारोपीय भाषा परिवार में संस्कृत का महत्त्व

इकाई-3 : ध्वनि-विज्ञान, वाक्य-विज्ञान

इकाई-4 : लिपि, ध्वनि तथा वर्ण का सम्बन्ध, चित्रलिपि, भावलिपि, ध्वनिलिपि, देवनागरीलिपि की वैज्ञानिकता एवं उत्कृष्टता

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भ-ग्रन्थ-

1. भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र, डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
2. भाषाविज्ञान, डॉ. कर्ण सिंह, साहित्य भण्डार, मेरठ
3. भाषाविज्ञान, डॉ भोलानाथ तिवारी, किताब महल प्राइवेट लिमिटेड, इलाहाबाद
4. भाषाविज्ञान की भूमिका, आचार्य देवेन्द्रनाथ शर्मा/दीप्ति शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

Language Based Course)

Indian Modern Regional Language II

संस्कृत भाषा अध्ययन **CREDITS 02**

COURSE OUTCOMES:

CO1:	छात्र माहेश्वरसूत्रों को स्मरण करेंगे तथा संस्कृत की वर्णोच्चारण प्रक्रिया व सन्धि नियमों का ज्ञान प्राप्त करेंगे।
CO2:	कारक के अध्ययन से संस्कृत भाषा की वाक्य-संरचना से परिचित होंगे तथा उसके व्यावहारिक प्रयोग को समझेंगे।
CO3:	वर्णोच्चारण, सन्धि, कारक आदि के सम्यक् ज्ञान से संवाद एवं लेखन में गति बनेगी।
CO4:	छात्र संस्कृत-भाषा की शुद्धता एवं अशुद्धता का विश्लेषण कर उचित प्रयोग को जानेंगे।
CO5:	छात्र संस्कृत लेखन में दक्षता प्राप्त कर संस्कृत में निबन्ध आदि लिखने में कुशलता प्राप्त कर सकेंगे।

इकाई-1 : **माहेश्वरसूत्र, वर्णों के उच्चारणस्थान, सन्धि** (दीर्घ, गुण, यण्, वृद्धि,अयादि, अनुस्वार, विसर्ग, श्चुत्व, ष्टुत्व, जश्त्व का सामान्य अध्ययन व प्रयोग)

इकाई-2 : **कारक के सामान्य नियम**

इकाई-3 : **संस्कृत में दैनिक-व्यवहार के वाक्य एवं शब्दावली** (शरीरवर्ग, परिवारवर्ग एवं भोज्यपदार्थवर्ग)

इकाई-4 : **निबन्ध** (रचनानुवादकौमुदी से)

I. संस्कृतभाषायाः महत्त्वम्
II. आचार्यदेवो भव
III. पर्यावरणसंरक्षणम्
IV. परोपकाराय सतां विभूतयः
V. आचारः परमो धर्मः

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भ-ग्रन्थ-

1. लघुसिद्धान्तकौमुदी, भाग-1, व्याख्याकार- भीमसेनशास्त्री, भैमी प्रकाशन, दिल्ली
2. लघुसिद्धान्तकौमुदी, व्याख्याकार- पं. ईश्वरचन्द्र, संस्कृत ग्रन्थागार, दिल्ली
3. प्रारम्भिकरचनानुवादकौमुदी, डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
4. रचनानुवादकौमुदी, डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
5. संस्कृत-व्यवहार-साहस्री, संस्कृत भारती, मातामन्दिर गली, झण्डेवालान, नई दिल्ली
6. व्यावहारिक संस्कृत प्रशिक्षक, डॉ. विजय कुमार कर्ण, उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ
7. संस्कृत-रचना, डॉ. उमेशचन्द्र पाण्डेय, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी